



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 20 राँची, मंगलवार 22 पौष, 1937 (श०)
12 जनवरी, 2016 (ई०)

परिवहन विभाग ।

अधिसूचना

8 जनवरी, 2016

संख्या-परि.आ.-349/2015-63 झारखंड मोटरगाड़ी नियमावली, 2001 में संशोधन का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे राज्य सरकार मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 65, 95, 96, 138 की उपधारा(2)(ड.) एवं 211 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रस्तावित करती है तथा उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा(1) द्वारा जन साधारण एवं प्रभावित व्यक्तियों की जानकारी हेतु झारखंड राजपत्र के गजट संख्या-827 दिनांक-16.11.2015 द्वारा जनसाधारण एवं प्रभावित व्यक्तियों की जानकारी हेतु प्रकाशित किया गया है तथा अधिसूचना के प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिनों के अंदर आपत्ति एवं सुझाव की मांग की गई है। प्रकाशित अधिसूचना पर विहित समय-सीमा के अंदर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है। तदनुसार राज्य सरकार द्वारा निम्नांकित संशोधन को अधिसूचना निर्गत करने की तिथि से लागू किया जाता है।

झारखंड मोटरगाड़ी संशोधन नियमावली, 2015

1. झारखंड मोटरगाड़ी नियमावली, 2001 के नियम (2) के उप नियम (ड.) के उपरांत उप नियम (ड.क) का अन्तःस्थापित करना:

नियम (2) (ड.क): "ग्रामीण मार्ग" से अभिप्रेत है, ऐसा मार्ग जो किसी ग्राम या नगर को दूसरे ग्राम या नगर से अथवा किसी ग्राम को प्रखंड या अनुमंडल से जोड़ता हो जिसमें साधारण मार्ग का 25 प्रतिशत या 15

कि.मी. मार्गांश दोनो में से जो भी कम हो, से अधिक सम्मिलित न हो तथा ऐसे मार्गों का निर्धारण मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 68 के उपनियम (3) (ग क) के अन्तर्गत किया गया हो।

2. झारखंड मोटरगाड़ी नियमावली, 2001 के नियम 50 के उप नियम (1) (ख) (viii) के बाद खंड (ix) का अन्तःस्थापन :

नियम-50(1)(ख) (ix) "ग्रामीण मार्ग" पर प्रयुक्त होने वाले सेवायान के विंडस्कीन के ऊपरी किनारे पर तथा यान के बॉडी के दोनो ओर बाहरी भाग पर सफेद रंग से पेंट की गई पट्टी पर नीले रंग से "ग्रामीण सेवा यान" एवं "ग्रामीण मार्ग" का नाम लिखा जायेगा तथा पट्टी की चौड़ाई 10 सेंटीमीटर और ऊँचाई में अक्षरों का आकार 8 सेंटीमीटर होगा और वे ऐसे होंगे कि 25 मीटर की दूरी से साफ-साफ पढ़ा जा सकता है।

3. झारखंड मोटरगाड़ी नियमावली, 2001 के नियम 70 के उपरांत नियम 70(क) का अन्तःस्थापन:

नियम 70(क):

1. लोक सेवायान, जिसकी बैठान क्षमता चालक एवं संवाहक को छोड़कर 6 से लेकर 21 तक है, को ग्रामीण सेवा यान के रूप में वर्गीकृत किये जायेंगे।
2. परमिट की स्वीकृति की प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति को प्राथमिकता दी जायेगी।
3. परमिट की स्थायी स्वीकृति पाँच सालों के लिये दी जायेगी तथा सफल अभ्यर्थियों को परिवहन दाखिल करना होगा कि वे परमिट की समाप्ति अवधि तक संतोषजनक रूप से सेवा यान का परिचालन मार्ग पर करेंगे अन्यथा उनके परमिट को रद्द किया जा सकेगा।
4. समय-सारणी का निर्धारण संबंधित क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के द्वारा किया जायेगा तथा वर्तमान में परिचालित बसों के परमिटधारियों की समय-सारणी पर आपत्ति मान्य नहीं होगी।
5. परमिट के लिए आवेदन पत्र प्रपत्र P.St.S.A. में किया जा सकेगा तथा नियम-74 (समय-समय पर संशोधित) में विहित आवेदन शुल्क एवं परमिट शुल्क देय होगा।
6. परमिटधारी को प्रत्येक त्रैमास के उपरांत प्रथम सप्ताह में संबंधित क्षेत्र के ग्राम पंचायत के मुखिया के स्तर से नियमित बस परिचालन किये जाने के निहित क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार कार्यालय में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा अन्यथा परमिट को निलंबित या रद्द करने की कार्यवाई किया जा सकेगा।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

रतन कुमार,
सचिव,
परिवहन विभाग ।

NOTIFICATION

The 8th January , 2016

No.Pari.Ayu.-349/2015/63--The Following drafts of amendments in the Jharkhand Motor Vehicles Rules, 2001 the State Government purposes to make in exercise of the power conferred by section 65,95,96, clause (e) of sub-section (2) of section 138 and 211 of the Motor Vehicles Act, 1988, is hereby published under the provision of section 212 (1) of the said Act vide Jharkhand Gazette Notification No.-827 Dated 16.11.2015 for information of all persons likely to be affected and the matter shall be decided by considering the objections/suggestions after 30 days from the date of publication in the Jharkhand State Gazette. No any objections/suggestions has been received on published notification in prescribed time line. Accordingly the following amendment is being enforced from the date of publication of this notification.

Jharkhand Motor Vehicle Amendment Rule 2015**1. Insertion of sub-rule (e a) after Rules (2) of Jharkhand Motor Vehicles Rules, 2001.**

Rule (2)(e a) :- "Village Route" means a route which connects a village or a town to another village or town or a village to block or sub-division which does not include part exceeding 25% or 15 kilometre of the ordinary route whichever may be less and such routes be formulated under clause (c a) of sub section (3) of section 68 of the Motor Vehicles Act, 1988.

2. Insertion of Clause (ix) after clause (viii) of sub-rule (1)(b) of rule 50 of Jharkhand Motor Vehicles Rules, 2001.

Rule 50(1) (b) (ix) :- The upper edge of the wind screen and outer portion of bus service which is likely to be operated on the "village route" shall be painted with "village service vehicle" and the name of the "village route" in blue colour on white strip and the width of the strip as well as height of letters shall be 10cm and 8cm respectively and shall be in such a manner as to that can be read from a distance of 25 meter.

3. Insertion of Rule 70 (a) after rule (70) of the Jharkhand Motor Vehicles Rules, 2001.

Rule 70(a):- (1) The public service vehicles, having seating capacity 6 to 21 excluding driver and conductor, shall be classified as village service vehicles.

(2) Priority shall be given to the schedule tribe and schedule cast in course of granting permit.

- (3) The permit shall be granted for five years and selected applicant will have to submit an undertaking that bus service shall be operated till the validity of the permit otherwise the permit shall be cancelled.
- (4) The time-table shall be fixed by the concerned R.T.A. and the objection on time-table by existing permit holder shall not be valid.
- (5) An application for permit along with prescribed fee under Rule 74 as amended from time to time shall be submitted in form P.St.S.A.
- (6) The Permit holder shall have to submit a quarterly report in the first week of last ending quarter regarding operation of regular bus service with certificate of Mukhiya of the Gram Panchayat before the concerned Regional Transport Authority otherwise the permit shall have to be suspended or cancelled.

BY THE ORDER OF THE GOVERNOR OF JHARKHAND

Ratan Kumar,
Secretary,
Transport Department,
Jharkhand, Ranchi.
